

मैंने रख लो अपने पास सतगुरु जी भजन लिरिक्स



एक मन कि बात बताऊँ मै,
थारे चरणा शीश झुकाऊँ मै,
मैंने रख लो अपने पास सतगुरु जी,
थारा बन क रहूंगा दास सतगुरु जी।bd।

तर्ज - तू पागल प्रेमी आवारा।

जो कह दे वो काम करू,
ना उल्टे कदम हटाऊँ,
बैठे बैठे हुकुम दियो,
मैं सारे हुकुम पुगाऊँ,
थारी सारी सेवा ठाउँ मै,
थारा रज रज शुक्र मनाऊँ मै,
मैंने रख लो अपने पास सतगुरु जी,
थारा बन क रहूंगा दास सतगुरु जी।bd।

सतगुरु जी थारा सत्संग सुन क,
आनंद काया होज्या,
सतगुरु जी की शरण रह जो,
सारे तिर्थ नहजया,
थारे ज्ञान सरोवर नहाऊँ मै,
मल मल क गोते लाऊँ मै,
मैंने रख लो अपने पास सतगुरु जी,
थारा बन क रहूंगा दास सतगुरु जी।bd।

सतगुरु अनिल स्वामी जी,
थारी अजब निराली माया,
नरेश भगत और राहुल प,
थारी रहती छतर छाया,
देवेन्द्र भजन सुनाए जा,
थारी जग में महिमा गाए जा,
मैंने रख लो अपने पास सतगुरु जी,
थारा बन क रहूंगा दास सतगुरु जी।bd।



थारे चरणा शीश झुकाऊँ मै,
मैंने रख लो अपने पास सतगुरु जी,
थारा बन क रहूंगा दास सतगुरु जी। **bd।**

गायक – राहुल भगत हाट।
9467659939
